



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 16]  
No. 16]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 19, 2005/पौष 29, 1926  
NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 19, 2005/PAUSA 29, 1926

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 2005

विषय : चीनी ताइपेई (ताइवान), ईयू, जापान, कोरिया गणराज्य और अमरीका मूल के अथवा  
वहां से निर्यातित टोलुने डाई-आई सोसाइनेट के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच—  
अंतिम जांच परिणाम

विधि

फा. सं. 14/19/2003-डीजीएडी.—1. (i) चीनी ताइपेई (ताइवान), ईयू, जापान, कोरिया गणराज्य और अमरीका से टोलुने डाई-आई सोसाइनेट (टी डी आई) के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने हेतु विधिवत रूप से अद्यतन किया गया आवेदन प्राधिकारी को प्राप्त हुआ था जिसमें चीनी ताइपेई (ताइवान), ईयू, जापान, कोरिया गणराज्य और अमरीका से टोलुने डाई-आई सोसाइनेट (टी डी आई) के पाटन का आरोप लगाया गया है।

(ii) याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत आवेदन की प्रारंभिक जांच में कतिपय कमियां प्रकट हुई थी जिन्हें बाद में याचिकाकर्ता द्वारा ठीक कर दिया गया था।

अतः याचिका को विधिवत प्रलेखित माना गया था।

(iii) प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्य के आधार

पर चीनी ताइपेई(ताइवान), ईयू, जापान, कोरिया गणराज्य और अमरीका से टोलुने डाई-आई सोसाइनेट (टी डी आई) के आयातों के खिलाफ 20.10.2003 को जांच शुरू करने का निर्णय लिया । प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमों के उप-नियम 5(5) के अनुसार जांच की कार्रवाई शुरू करने से पहले पाटन के आरोप की प्राप्ति के विषय में नई दिल्ली में चीनी ताइपेई(ताइवान), ईयू, जापान, कोरिया गणराज्य और अमरीका के दूतावासों को सूचित किया ।

- (iv) प्राधिकारी ने 20 अक्टूबर, 2003 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था जिसके द्वारा चीनी ताइपेई(ताइवान), ईयू, जापान, कोरिया गणराज्य और अमरीका मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध माल के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच शुरू की गयी थी जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची-1 के सीमाशुल्क उप शीर्ष 29291002 के अंतर्गत वर्गीकृत है ।
- (v) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध करवाए गए थे) को भेजी और नियम 6(2) के अनुसार पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर लिखित में उन्हें अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर दिया ।
- (vi) भारत में संबद्ध माल के सभी ज्ञात आयातकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए) सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजी और उन्हें सलाह दी कि वह नियम 6(2) के अनुसार पत्र जारी होने की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित में अपने दृष्टिकोण से अवगत कराएं;

- (vii) नियम 6(4) के अनुसार, संगत सूचना मंगाने हेतु 10 ज्ञात निर्यातकों और 5 आयातकों/प्रयोक्ताओं को एक प्रश्नावली भेजी गई थी ।
- (viii) नियम 6(2) के अनुसार नई दिल्ली में संबद्ध देशों के दूतावासों को जांच शुरू होने के बारे में सूचित किया गया था और उनसे यह अनुरोध भी किया गया कि वे अपने देश के सभी संबद्ध निर्यातकों/उत्पादकों की प्रश्नावली का उत्तर निर्धारित समय के भीतर देने की सलाह दें । नियम 6(3) के अनुसार संबद्ध देशों के दूतावासों को ज्ञात निर्यातकों को भेजे गए पत्र, याचिका और प्रश्नावली की प्रतियां भी भेजी गई थीं । केवल निम्नलिखित निर्यातक/उत्पादक मैसर्स मित्सुई टाकेडा कैमिकल्स, इंक जापान (एमटीसीआई) द्वारा प्रश्नावली/अधिसूचना का उत्तर/सूचना प्रस्तुत किया गया था ।
- (ix) प्रश्नावली/अधिसूचना का उत्तर/सूचना असंख्य आयातकों/प्रयोक्ताओं द्वारा प्रस्तुत किया गया था । प्रयोक्ताओं ने कहा था कि उन्होंने आयातित संबद्ध माल और मैसर्स एन सी पी एल द्वारा उत्पादित स्वदेशी उत्पाद दोनों का इस्तेमाल किया था । प्राधिकारी ने इस रिपोर्ट में आयातकों और निर्यातकों के सभी विचारों का विश्लेषण किया है जैसा कि उन्होंने संगत समझा ।
- (x) आवेदक से क्षति के बारे में अतिरिक्त सूचना मांगी गयी थी जिसे आवेदक द्वारा प्रस्तुत कर दिया गया था ।
- (xi) प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार, विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा साक्ष्यों के अगोपनीय अंशों को अपने द्वारा रखी गयी सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखा और उसे हितबद्ध पक्षों द्वारा निरीक्षण किए जाने के लिए खुला रखा ।

- (xii) याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गयी सूचना के आधार पर सामान्य तौर पर स्वीकार्य लेखाकरण के नियमों (जी ए ए पी) के आधार पर उत्पादन की इष्टतम लागत और भारत में संबद्ध वस्तु को बनाने और विक्रय करने की लागत का निर्धारण किया गया था ।
- (xiii) पाटन की जांच एवं क्षति के लिए 1 अप्रैल, 2002 से 30 जून, 2003 तक की अवधि शामिल है ("जिसे जांच की अवधि" अथवा "पी ओ आई" कहा गया है) । क्षति के विश्लेषण के संदर्भ में रूझानों की जांच हेतु 1 अप्रैल, 1999 से जांच की अंतिम अवधि शामिल है (जिसे विचाराधीन अवधि अथवा क्षति अवधि भी कहा गया है) । आई बी आई एस, मुंबई, डी जी सी आई एस के आयात के आंकड़ों और निर्यातक एवं आयातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों की जांच की गयी है । तथापि, डीजीसीआईएस और आईबीआईएस, मुंबई के सौदेवार आंकड़ों समेत सभी आंकड़ों की जांच करने के पश्चात निर्यातकों, आयातकों द्वारा प्रस्तुत की गयी सूचना और आई बी आई एस (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सूचना प्रणाली), मुंबई के सौदेवार आंकड़ों पर विश्वास करना उचित समझा गया, क्योंकि डीजीसीआईएस के आंकड़ो संबद्ध माल के बारे में संपूर्ण मात्रा प्रदर्शित नहीं करते हैं । उपर्युक्त नियमों के नियम-16 के अनुसार इन जांच परिणामों के लिए विचारित आवश्यक तथ्यों/आधार को ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को दिखाया और उनके संबंध में प्राप्त टिप्पणियों पर इन जांच परिणामों में विधिवत रूप से विचार किया गया है ।

इस प्रकटन में निम्नलिखित संक्षेपासार प्रयुक्त हैं :

2. (क)	प्राधिकारी	निर्दिष्ट प्राधिकारी
(ख)	संबद्ध देश	चीनी ताइपेई(ताइवान), ईयू, जापान, कोरिया गणराज्य और अमरीका
(ग)	संबद्ध माल/ विचाराधीन उत्पाद	टोलुने डाई-आईसोसाइनेट (टीडीआई)

- |  |  |
|--|--|
| (घ) घरेलू उद्योग/<br>याचिकाकर्ता/आवेदक | मैसर्स निर्पदा कैमातूर पेट्रोकेमिकल लि., भरुच,<br>गुजरात (एन सी पी एल) |
| (ङ) पी ओ आई                            | जांच अवधि (दिनांक 1 अप्रैल, 2002-30<br>जून, 2003)                      |
| (च) निर्यातक (सहयोगी)                  | मैसर्स मित्सुई टाकेडा कैमिकल्स, इंक जापान<br>(एन ओ सी आई)              |

सभी निर्यातकों (सहयोगी और असहयोगी), आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचारों को ध्यान में रखा गया है और उनका विश्लेषण संबंधित शीर्षों में किया गया है ।

### विचाराधीन उत्पाद

(3) वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद टोलूयेन डाय-आइसो-साइनेट है । टोलूयेन डाय-आइसो साइनेट (टी डी आई) एक कार्बनिक रसायन है । यह एक साफ द्रव है और इसका प्रयोग लोचशील पोलियूरेथेन फोम के उत्पादन में किया जाता है, जो बाद में अनेक उपयोगों में प्रयोग किया जाता है । टी डी आई का विनिर्माण अनेक ग्रेडों में होता है । टोलूयेन डाय-आइसो-साइनेट एक कार्बनिक रसायन है जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 के अंतर्गत वर्गीकृत है । टी डी आई का विस्तृत सीमाशुल्क वर्गीकरण 29291020 है । अनेक हितबद्ध पार्टियों ने यह मुद्दा उठाया है कि उत्पाद में न तो कोई सम्मिश्रण शामिल है और न ही टी डी आई के अतिरिक्त कोई अन्य कार्बनिक सम्पूरक मिश्रित किया जाना चाहिए । विचाराधीन उत्पाद के मुद्दे पर किसी भी हितबद्ध पार्टी से प्रकटन विवरण के मुद्दे के पश्चात कोई अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ है । सभी मुद्दों की जांच करने के बाद प्राधिकारी का यह मानना है कि विचाराधीन उत्पाद टोलूयेन डाय-आइसो-साइनेट या टी डी आई (जिसे तएदपश्चात संबद्ध वस्तु कहा गया है) है । को पूरा करता है ।

### समान वस्तु

4. याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तु संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित वस्तु के समान वस्तु है । याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देशों से निर्यातित वस्तु में कोई विशेष अंतर नहीं है । याचिकाकर्ता का दावा है कि दोनों तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं । पाटनरोधी नियम के नियम 2(घ) में यह विनिर्दिष्ट है कि समान वस्तु का तात्पर्य ऐसी किसी वस्तु से है जो जांचाधीन वस्तुओं से हर प्रकार से समनुरूप अथवा समान है । अथवा ऐसी किसी वस्तु के अभाव में ऐसी अन्य वस्तु से है जिसकी विशेषताएं जांचाधीन वस्तु की विशेषताओं से अत्यधिक मिलती-जुलती हैं । इस बात को सिद्ध करने के लिए कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु संबद्ध देशों से निर्यातित वस्तु के समान वस्तु है, प्राधिकारी ने तकनीकी विनिर्देशनों, विनिर्माण प्रक्रिया, कार्य एवं उपयोग तथा टैरिफ वर्गीकरण पर विचार किया है । जांच के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की विशेषताएं संबद्ध देशों से आयातित वस्तु की विशेषताओं और निर्यातक देशों के बाजार में बेची गयी वस्तु की विशेषताओं से मिलती-जुलती हैं । उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित तथा संबद्ध देशों से आयातित एवं वहां पर बेचा गया टी डी आई नियमों के भीतर समान वस्तुएं हैं ।

### घरेलू उद्योग

5. आवेदन मै. नर्मदा चेमातुर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत किया गया था । प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक देश में संबद्ध वस्तु का एकमात्र उत्पादक है और इसलिए, कुल भारतीय उत्पादन का जिम्मेदार है । आवेदन नियम 2(घ) के साथ पठित नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग के मानदंडों को पूरा करता है और नियम 5(3) के अनुसार पाटनरोधी जांच के लिए आवेदन प्रस्तुत करने की शर्तों को पूरा करता है ।

### सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत एवं पाटन मार्जिन

6. सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9क(1) । के अंतर्गत किसी वस्तु से संबंधित सामान्य मूल्य का तात्पर्य है :

- सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तुओं के लिए उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियम के अनुसार यथानिर्दिष्ट तुलनात्मक मूल्य जबकि ऐसी वस्तु निर्यातक देश या क्षेत्र में उपभोग के लिए आशयित हो, या
- जहां निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तु की कोई बिक्री नहीं हो या विशेष बाजार दशा के कारण अथवा निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में बिक्रियों की कम मात्रा के कारण, ऐसी बिक्रियों की वजह से समुचित तुलना नहीं हो सकती हो तो सामान्य मूल्य या तो :-
- निर्यातक देश या क्षेत्र या किसी उचित तीसरे देश से आयात किए जाने पर समान वस्तु की उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार निश्चित तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य, या
- उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथा निश्चित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागतों एवं लाभों के लिए उचित वृद्धि के साथ वस्तु मूल के देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत ।”

बशर्ते कि वस्तु का आयात जब मूलता के देश से भिन्न अन्य किसी देश से किया गया हो तथा जहां वस्तु निर्यात के देश से केवल गुजरी हो या ऐसी वस्तु निर्यात के देश में उत्पादित नहीं होती हो या निर्यात के देश में उसका कोई तुलनात्मक मूल्य नहीं हो तो इसके सामान्य मूल्य का निर्धारण मूलता के देश में इसके मूल्य के संदर्भ में किया जाएगा ।

7. प्राधिकारी ने धारा 9(क) (1)(ग) के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु सभी ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजी । केवल निर्यातक मै. मित्सुई ताकेदा

केमिकल्स आई एन सी जापान (एम टी सी आई) ने निर्यातकों को भेजे गये पत्र और निर्यातक प्रश्नावली के अनुसार अपेक्षित ढंग और तरीके से प्रश्नावली का उत्तर दिया है । एन टी सी आई ने निर्यातक प्रश्नावली में उल्लिखित विभिन्न परिशिष्टों के बारे में सूचना देते हुए निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दिया है । सार्वजनिक सुनवाई के बाद प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा दावा किये गये सभी समायोजनों सहित उत्पादन लागत, घरेलू बिक्री कीमत और निर्यात कीमत के संबंध में सहयोगी निर्यातक द्वारा प्रस्तुत सभी आंकड़ों का सत्यापन किया है । प्राधिकारी ने कारखाना द्वार स्तर पर किये गये सभी अपेक्षित समायोजन करने के बाद सहयोगी निर्यातक के लिए सामान्य मूल्य का आकलन किया है जैसा कि निर्यातक द्वारा दावा किया गया था । प्राधिकारी ने कारखाना द्वार स्तर पर निवल निर्यात कीमत ज्ञात करते समय निर्यातक द्वारा दावा किये गये विभिन्न समायोजन करते हुए सहयोगी निर्यातक की कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत का आकलन किया है । प्राधिकारी ने कारखाना द्वार स्तर पर सामान्य मूल्यों और कारखाना द्वार स्तर पर निर्यात कीमत के बीच तुलना करके पाटन मार्जिन की गणना की है । इस तुलना से जांच अवधि के दौरान निर्यातक द्वारा संबद्ध वस्तु के पाटन की मौजूदगी प्रदर्शित नहीं हुई थी । निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त भारित औसत पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है और यह ऋणात्मक है । तत्पश्चात ब्यौरेवार सत्यापन रिपोर्ट को निर्यातक को उनकी टिप्पणियों, यदि कोई हों, के लिए भेजा गया है ।

#### जापान एवं अन्य संबद्ध देशों से अन्य निर्यातक

8. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जापान एवं अन्य देशों के निर्यातकों ने निर्धारित ढंग एवं पद्धति में निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है । सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे पर भी अन्य हितबद्ध पार्टियों ने कोई आपत्ति नहीं उठाई है । इन परिस्थितियों में, नियमों के अधीन सामान्य मूल्यों का निर्धारण नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर किया गया है । तथापि संबद्ध देशों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण, उनके घरेलू बाजार में



प्रचलित कीमतों के आधार पर किया गया है, जिसके साक्ष्य एक प्रमुख पत्रिका द्वारा प्रस्तुत किए गए हैं। चूंकि डी जी सी आई एस आंकड़ों में उक्त सीमाशुल्क शीर्ष के तहत कुछ ही आयातों की सूचना मिलती है अतः निर्यात कीमतों का निर्धारण आई बी आई एस सीमाशुल्क की दैनिक सूची से एकत्र किए गए सौदेवार आंकड़े द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के आधार पर किया गया है। कारखाना द्वार निर्यात कीमत का निर्धारण, जांच अवधि के दौरान भारित औसत निर्यात कीमत के आधार पर कमीशन, समुद्री भाड़े इत्यादि के संबंध में लागू समायोजन करने के पश्चात किया गया है और तत्पश्चात असहयोगी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है।

पाटन मार्जिन

देश	सामान्य मूल्य (डालर/मी.टन)	निर्यात कीमत (डालर/ मी.टन)	पाटन मार्जिन	
			डालर/मी.टन रु./मी.टन	%
एमटीसीआई जापान	****	****	(****)	(5.5)
जापान(सभी देश)	****	****	****	20.46%
ई यू	****	****	****	61.75
ताइवान	****	****	****	16.52
कोरिया	****	****	****	16.11
अमरीका	****	****	****	63.42

**क्षति: संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा, कीमतों पर उनका प्रभाव और ए डी ए के 3.4 के अनुसार मापदंडों का उदाहरण देते हुए घरेलू उद्योग पर उसके परिणामी प्रभाव-सत्यापित आंकड़े**

9.

15 क्षति मापदंड संख्या	विवरण	इकाई	1999-00	2000-2001	2001-2002	2002-2003 & 2003 - 2004	वार्षिक
						(15 महीने)	
1	बिक्रियों में स्वाभाविक और संभावित गिरावट वास्तविक बिक्री						
	बिक्री (घरेलू)	मी.ट.	****	****	****	****	****
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	164.57	166.13	173.91	173.91
2	लाभ						
	उत्पादन लागत	रु./मी. ट.	****	****	****	****	****
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	89.39	81.98	71.76	71.76
	निवल बिक्री वसूली	रु./मी. ट.	****	****	****	****	****
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	116.28	91.70	89.26	89.26
	लाभ/हानि	रु./मी. ट.	****	****	****	****	****
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100.00	123.80	-4.97	67.01	67.01
	कुल लाभ/हानि	लाख रु.	****	****	****	****	****
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100.00	203.87	-8.25	145.68	145.68
3	आउट पुट						
	उत्पादन	मी.ट.	7812	10153.5	10770	16581	13264.8
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	129.97	137.86	169.8	169.8
4	बाजार हिस्सा						
	आयातों में						
	आयात						
	जापान	मी.ट.					
	कोरिया जन गण.	मी.ट.	150	0.00	200.00	280.00	224.00
	अमरीका	मी.ट.	401.227	486.39	586.58	155.39	124.31
	चीनी ताइपेई	मी.ट.	0	0.00	50.00	58.50	46.80
	यूरोपीय संघ	मी.ट.	2098.63	307.86	328.58	83.59	66.87
	संबद्ध देशों से पाटित आयात	मी.ट.	2649.86	794.25	1165.16	577.48	461.98
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	29.97	43.97	21.79	21.79
	अन्य देश तथा संबद्ध देशों	मी.ट.	1593	1774.35	2346.70	1697.76	1358.21

	से गैर पाटित आयात						
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	111.4	147.3	106.6	85.3
	कुल आयात	मी.ट.	4243.00	2568.60	3511.86	2275.24	1820.20
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	60.54	82.77	53.62	53.62
	आयातों में बाजार हिस्सा						
	जापान	%	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	कोरिया जन गण.	%	3.54	0.00	5.69	12.31	12.31
	अमरीका	%	9.46	18.94	16.70	6.83	6.83
	चीनी ताइपेई	%	0.00	0.00	1.42	2.57	2.57
	यूरोपीय संघ	%	49.46	11.99	9.36	3.67	3.67
	संबद्ध देशों से पाटित आयात	%	62.45	30.92	33.18	25.38	25.38
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	49.51	53.13	40.64	40.64
	अन्य देश तथा संबद्ध देशों से पाटित आयात	%	37.55	69.08	66.82	74.62	74.62
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	124.01	119.96	11.18	11.18
	भाग में						
	भाग						
	एन सी पी एल की बिक्री	मी.ट.	****	****	****	****	****
	आयात	मी.ट.	4243.00	2568.60	3511.86	2275.24	1820.20
	मांग	मी.ट.	9924.00	11917.60	12949.86	14625.24	11700.20
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	120.09	130.49	112.48	112.48
	मांग में हिस्सा						
	घरेलू उद्योग	%	57.25	78.45	72.88	84.44	84.44
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	137.04	127.31	154.61	154.61
	संबद्ध देशों से पाटित आयात	%	26.70	6.66	9.00	3.95	3.95
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	24.96	33.70	46.70	46.70
	अन्य देश और संबद्ध देशों से अपाटित आयात	%	23.82	14.89	18.12	11.61	11.61
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	62.51	76.09	3.26	3.26
5	उत्पादकता						
	प्रति कर्मचारी उत्पादकता						
	कर्मचारी	सं.	****	****	****	****	****
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	99.13	96.94	97.82	97.82
	प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.ट.	****	****	****	****	****
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	131.12	142.21	173.59	173.59
	प्रतिदिन उत्पादकता*	दिन/मी. ट.	****	****	****	****	****
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	129.97	137.86	169.80	169.80
	*वर्ष में उत्पादन के 360 दिन मापते हुए						
6	निवेश पर आय						
	एन एफ ए	लाख रु.	****	****	****	****	****
	कार्यशील पूंजी	लाख रु.	****	****	****	****	****
	लगाई गई पूंजी	लाख रु.	****	****	****	****	****

	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	94.92	89.80	88.82	88.82
	लगाई गई पूंजी पर आय	%	****	****	****	****	****
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	284	112	189	189
7	क्षमता का उपयोग						
	क्षमता	मी.ट.	10000	10000	10000	10000	10,000
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00
	क्षमता उपयोग	%	78.12	101.54	107.70	132.65	133
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	129.97	137.86	169.80	169.80
8	घरेलू कीमत को प्रभावित करने वाले कारक						
	निर्यात कीमत						
	जापान	रु./मी. ट.	83,700	100,730	79,720	77,200	77,200
	कोरिया जन.गण.	रु./मी. ट.	92,230.00	-	91,080	79,000	79,000
	अमरीका	रु./मी. ट.	82,270.00	101,010	84,270	80,590	80,590
	चीनी ताइपेई	रु./मी. ट.	-	-	71,170	82,070	82,070
	यूरोपीय संघ	रु./मी. ट.	80,810.00	100,410	78,930	73,430	73,430
	पहुंच मूल्य						
	जापान	रु./मी. ट.	118,352	137,345	108,698	99,414	99,414
	कोरिया जन.गण.	रु./मी. ट.	130,413	#VALUE!	124,188	101,732	101,732
	अमरीका	रु./मी. ट.	116,330	137,727	114,902	103,780	103,780
	चीनी ताइपेई	रु./मी. ट.	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	105,686	105,686
	यूरोपीय संघ	रु./मी. ट.	114,265	136,909	107,621	94,559	94,559
	घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत	रु./मी. ट.	****	****	****	****	****
	सूची		100	116.3	91.7	89.26	89.26
	कीमत कटौती %						
	कोरिया जन.गण.						0-3%
	अमरीका						0-3%
	चीनी ताइपेई						2-5%
	यूरोपीय संघ						(7-10%)

	संचयी						<1%
	कीमत दमन और कीमत कम करना						
	उत्पादन की लागत		****	****	****	****	****
			100	89.39	81.98	71.76	71.76
	पहुंच मूल्य	रु./मी. ट.					
	जापान	रु./मी. ट.	118,352	137,345	108,698	99,414	99,414
	कोरिया जन.गण.	रु./मी. ट.	130,413	उपलब्ध नहीं	124,188	101,732	101,732
	अमरीका	रु./मी. ट.	116,330	137,727	114,902	103,780	103,780
	चीनी ताइपेई	रु./मी. ट.	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	105,686	105,686
	यूरोपीय संघ	रु./मी. ट.	114,265	136,909	107,621	94,559	94,559
9	पाटन के मार्जिन की मात्रा		पूर्ववर्ती पेरामाफों में उल्लिखितानुसार				
10	नकदी प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव						
	नकद हानि	लाख रुपए					
	हास	लाख रुपए	****	****	****	****	****
	लाभ/हानि	लाख रुपए	****	****	****	****	****
	नमद लाभ	लाख रुपए	****	****	****	****	****
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	555.49	270.59	317.33	317.33
11	समान सूची						
	अंतिम स्टॉक	मी.ट.	****	****	****	****	****
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	48.47	125.60	96.73	96.73
12	रोजगार						
	कर्मचारी	सं.	****	****	****	****	****
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	99.13	96.94	97.82	97.82
13	मजदूरी						
	कर्मचारियों को दी गई मजदूरी	लाख रुपए	****	****	****	****	****
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	108.04	154.05	152.87	152.87
14	वृद्धि (बेस से)						

	कारोबार में वृद्धि	%		29.97	37.86	112.25	112.25
	बिक्री मूल्य में वृद्धि	%		64.57	66.13	117.39	73.91
	मांग में वृद्धि	%		20.00	30.00	12.48	12.48
15	निर्यात						
	निर्यात बिक्री	मी.ट.	****	****	****	****	****
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	211.08	27.03	632.43	632.43
	निवल बिक्री प्राप्ति	रू./मी. ट.	****	****	****	****	****
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	111.65	73.52	83.95	83.95

### विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के विचार एवं प्राधिकारी द्वारा विश्लेषण

#### (क) घरेलू खपत/मांग

10. घरेलू खपत/मांग घरेलू उद्योग की बिक्रियों, भारत में संबद्ध देशों से आयातों और अन्य देशों से आयातों पर आधारित है। इस आधार पर घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की घरेलू मांग या खपत में वर्ष 1999-2000 में 9924.00 मी.ट. की वृद्धि हुई है और इसमें 11.18% की वृद्धि प्रदर्शित होती है।

#### संबंधित आयातों के प्रभावों का संचयी आकलन

11. प्राधिकारी ने जांच की है कि क्या संबद्ध वस्तु के मूल की संबद्ध वस्तुओं के आयातों का आकलन पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.3 और सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अंतर्गत पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 के अनुसार संचयी रूप से किया जाना चाहिए।

(क) संबद्ध देशों में से प्रत्येक से आयातों के संबंध में पाटन मार्जिन पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 5.8 और पाटनरोधी नियमावली के नियम 14 में

यथापरिभाषित न्यूनतम सीमा से अधिक है और इन देशों में प्रत्येक से पाटित आयातों की मात्रा भी नगण्य नहीं है ।

- (ख) घरेलू उत्पाद और विभिन्न देशों के उत्पादकों द्वारा आपूर्ति किया गया उत्पाद समान उत्पाद है; और आयातित उत्पादकों और घरेलू रूप से उत्पादित संबद्ध वस्तुओं को एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग किया जा सकता है और किया जा रहा है । विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत उत्तर और घरेलू उद्योग की उपभोक्तावार बिक्रियों से इसके सह संबंध से यह स्पष्ट है कि ऐसे अनेक पक्षकार हैं जिन्होंने घरेलू उद्योग से खरीद एवं संबद्ध देशों से आयातों का आश्रय लिया है । यह भी नोट किया जाता है कि विभिन्न देशों द्वारा आपूर्ति की गई संबद्ध वस्तुएं समान बाजार में प्रतिस्पर्धा करती हैं । यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों के विभिन्न उत्पादकों द्वारा आपूर्ति किये गये उत्पादों को भारत में एक समान अवधि के दौरान तुलनीय बिक्री शृंखलाओं के माध्यम से और समान वाणिज्यिक स्थितियों में बेचा जा रहा है ।

12. उपर्युक्त के आलोक में, प्राधिकारी ने यह माना है कि संबद्ध देशों से आयातों के संबंध में पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.3 और नियम 11 के अंतर्गत अनुबंध II मे पैरा iii के अनुसार निर्धारित मापदंडों का पालन किया गया है और इसलिए क्षति निर्धारणों के प्रयोजनार्थ इन संबद्ध देशों से हुए आयातों को शामिल किया जाना चाहिए ।

### संबद्ध देशों के मूल के आयात

#### मात्रा

13. घरेलू बाजार में संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के पाटित आयातों की समग्र मात्रा में विचाराधीन अवधि के दौरान 79% की कमी हुई । कुल मांग में हिस्से के रूप में इसमें 60% की गिरावट आई । प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि विचाराधीन अवधि के दौरान घरेलू खपत में 11.2% की वृद्धि हुई । अतः

निष्कर्ष यह है कि मांग में वृद्धि हुई है परंतु विचाराधीन अवधि के दौरान पाटित आयातों की मात्रा में भारी गिरावट आई है ।

### **कुल आयातों में संबद्ध देशों का हिस्सा**

14. विचाराधीन अवधि के दौरान कुल आयातों में संबद्ध देशों से हुए आयातों के हिस्से में 79% की कमी हुई थी । कुल आयातों में पाटित आयातों के हिस्से में जांच अवधि के दौरान 62% से 25% तक की कमी हुई । अतः यह नोट किया जाता है कि कुल आयातों के हिस्से में पाटित आयातों के हिस्से में भारी गिरावट आई है ।

15. उपर्युक्त जांच के आधार पर, निष्कर्ष यह है कि कुल मांग के हिस्से के रूप में संबद्ध देशों के पाटित आयातों के बाजार हिस्से में भारी कमी हुई है और पिछले वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान इसमें कमी हुई है ।

### **कीमतें**

#### **विचाराधीन अवधि के दौरान कीमत में वृद्धि**

16. वर्ष 1999-00 और जांच अवधि के बीच, संबद्ध देशों के मूल के आयातों की औसत सी आई एफ कीमत में विचाराधीन अवधि या क्षति अवधि के दौरान 4 प्रतिशत बिन्दुओं से कम की कमी हुई है ।

#### **कीमत कटौती (पीयूसी)**

17. संबंधित उत्पाद की तुलनीय किस्मों की तुलना व्यापार के समान स्तर पर निर्यातक उत्पादकों और घरेलू बाजार में घरेलू उद्योगों की औसत बिक्री कीमत, असंबद्ध उपभोक्ताओं को सभी छूटों और करों के निवल के बीच की थी । घरेलू उद्योगों की कीमतों का निर्धारण कारखाना द्वार स्तर पर किया गया था । संबद्ध देशों की सी आई एफ आयात कीमतों को आयात पश्चात मूल सीमाशुल्कों के लिए समायोजित किया गया था । इस तुलना से यह प्रदर्शित हुआ कि जांच अवधि के



दौरान संबद्ध देशों के मूल की संबद्ध वस्तुओं को घरेलू बाजार में ऐसी कीमतों पर बेचा गया था जिससे घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री कीमतों के प्रतिशत के रूप में घरेलू उद्योग की कीमतों में बहुत मामूली कटौती हुई थी। वस्तुतः कीमत कटौती मार्जिन बहुत कम था। (1% से कम)

### (च) कम कीमत पर बिक्री (पी यू एस)

18. प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता के इस दावे की भी जांच की है कि घरेलू उद्योग को संबद्ध वस्तुओं की बिक्री से लाभप्रदता में गिरावट के कारण नुकसान उठाना पड़ रहा है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कम कीमत पर बिक्री क्षति के आकलन करने का एक महत्वपूर्ण संकेतक है। प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद की क्षति रहित कीमत की गणना की है और कम कीमत पर पर बिक्री की मात्रा ज्ञात करने के लिए पहुंच मूल्य की इससे तुलना की है। इस विश्लेषण से घरेलू उद्योग पर कम कीमत पर बिक्री का बोझ प्रदर्शित होता है। तथापि कम कीमत पर बिक्री के इस भार का निर्धारण तब किया गया है जब पाटित आयातों की मात्रा कुल मांग के 4% से कम है।

### कीमत मंदी एवं कीमत ह्रास

19. जैसा कि पूर्ववर्ती पैराग्राफ में नोट किया गया, क्षति अवधि, अर्थात् 1990-00 से जांच अवधि तक के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में 10% से थोड़े अधिक की गिरावट आई है। तथापि, बिक्री कीमतों ने यह गिरावट घरेलू उद्योग की संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत में हुई भारी कमी के कारण हुई प्रतीत होती है जबकि संबद्ध देशों से पाटित संबद्ध वस्तुओं की आयात कीमतों में मामूली गिरावट हुई है।

20. तथापि, इस मामले में कोई कीमत ह्रास नहीं हुई है क्योंकि इसी अवधि के दौरान उत्पाद लागत (सी ओ पी) में 28% की कमी हुई है और इसके साथ निवल बिक्री कीमत में 10% से थोड़ी अधिक गिरावट आई है तथा इसी अवधि के दौरान पहुंच मूल्य में 10% तक की कमी हुई है।

## घरेलू उद्योग की स्थिति

### प्रारंभिक टिप्पणी:

21. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैराग्राफ (iv) के अनुसार, संबद्ध घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए बिक्री में वास्तविक तथा संभावित गिरावट, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग, घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारकों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक तथा संभावित नकारात्मक प्रभाव, भंडार सूची, रोजगार, वेतन, वृद्धि पूंजी निवेश बढ़ाने की क्षमता सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों तथा संकेतकों का मूल्यांकन शामिल होगा । विभिन्न हितबद्ध पार्टियों ने तर्क प्रस्तुत किए हैं कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को कोई वास्तविक क्षति नहीं हुई है । निर्यातकों एवं आयातकों वाली हितबद्ध पार्टियों ने तर्क दिए हैं कि पाटनरोधी करार के नियम 3.4 में निहित अधिकांश क्षति मानदंडों से घरेलू उद्योग को किसी प्रकार की क्षति प्रदर्शित नहीं होती है । तथापि, घरेलू उद्योग के अनुसार उन्होंने विभिन्न कारकों के कारण क्षति का सामना किया है । घरेलू उद्योग द्वारा तर्क दिया गया है कि क्षति के विश्लेषण के उद्देश्य की प्रवृत्तियों की जांच वर्ष 2000-01 को आधार वर्ष मानकर की जानी चाहिए न कि 99-00 को । आगे प्राधिकारी द्वारा यह नोट किया गया है कि प्रचालन के शुरू होने के दूसरे वर्ष के दौरान घरेलू उद्योग ने 78% क्षमता उपयोग की प्राप्ति की है इसलिए वर्ष 99-00 को आधार वर्ष मानने से क्षति विश्लेषण पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा । आगे, निदेशालय की पद्धति के अनुसार क्षति प्रवृत्ति विश्लेषण की बढ़ाई गई अवधि को ध्यान में रखते हुए आधार वर्ष का चुनाव किया गया है । आगे यह नोट किया गया है कि प्रवृत्ति विश्लेषण का एक उद्देश्य

अत्यंत अच्छे अथवा अत्यंत बुरे वर्ष के प्रति पूर्वाग्रह को हटाना है ताकि दीर्घावधि प्रवृत्ति में विकृतियों को समाप्त किया जा सके । प्रकटन विवरण के पश्चात, वर्ष 2000-01 को आधार वर्ष बनाए रखने के लिए घरेलू उद्योग ने लगभग इसी प्रकार के तर्क दिए हैं । घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए निवेदनों की जांच करने के पश्चात प्रकटन विवरण में प्राधिकारी द्वारा दिए गए अवलोकन एवं विश्लेषण की पुष्टि करना उचित समझा गया है । सूचीबद्ध आंकड़ों की रिपोर्टिंग में होने वाली कुछ गलतियों तथा उत्पादन लागत, (तथा सह-उत्पादों पर उसके प्रभाव), लाभों, निवल बिक्री की प्राप्ति, आर ओ सी के निर्धारण तथा इन मानदंडों की व्याख्या की रिपोर्ट करने में हुई त्रुटि के विषय में घरेलू उद्योग के निवेदनों के संबंध में यह नोट किया गया है कि 5 जनवरी, 2005 को घरेलू उद्योग के प्राधिकृत प्रतिनिधि के साथ हुई बैठक के दौरान, सूचीबद्ध विषयों की रिपोर्टिंग में होने वाली त्रुटियों के साथ क्षति संबंधी सभी मुद्दों के विषय में घरेलू उद्योग को स्पष्टीकरण दे दिया गया है । इस अंतिम जांच परिणाम में प्रकटन विवरण के प्रत्युत्तर में उठाए गए सभी मुद्दों का समाधान किया गया है ।

### उत्पादन, क्षमता तथा क्षमता उपयोग

22. उपर्युक्त सारणी से यह देखा जा सकता है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन में आधार वर्ष से जांच अवधि के दौरान 50% से अधिक की वृद्धि हुई है । विचाराधीन अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादन क्षमता में कोई वृद्धि नहीं हुई है । आगे, यह भी नोट किया जा सकता है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है । तथ्यतः जांच अवधि के दौरान क्षमता उपयोग 133% था ।

### बिक्री मात्रा

23. उपर्युक्त सारणी से यह देखा जा सकता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में बहुत अधिक बढ़ोत्तरी हुई है। यह देखा जा सकता है कि क्षति अवधि के दौरान कुल मांग/खपत में 11.2% की वृद्धि हुई है तथापि उसी अवधि में याचिकाकर्ता की बिक्री मात्रा में 73% की वृद्धि हुई है। अतः घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में वृद्धि, भारत में संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि से काफी अधिक है।

### बिक्री कीमत

24. सारणी से देखा जा सकता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में लगातार गिरावट आ रही है। तथापि, बिक्री कीमत में गिरावट, घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत में गिरावट से काफी कम है। इस तथ्य को देखते हुए कि क्षति निर्धारण अवधि के दौरान बिक्री कीमत में अधिक गिरावट नहीं हुई है, यह निष्कर्ष निकाला गया है कि इस मानदंड के आधार पर घरेलू उद्योग को कोई विशेष क्षति नहीं हुई है।

### बाजार हिस्सा

25. नीचे दी गई सारणी से यह प्रदर्शित होता है कि क्षति की अवधि के दौरान याचिकाकर्ता के बाजार हिस्से में 57% से 84.4% की वृद्धि हुई है। उसी अवधि में पाटित आयातों के बाजार हिस्से में 54% की गिरावट आई है। यह भी नोट किया जा सकता है कि क्षति की अवधि के दौरान भारत में समग्र बाजार में 11.2% की वृद्धि हुई है।

### स्टॉक

26. यह देखा जा सकता है कि क्षति निर्धारण अवधि में घरेलू उद्योग के स्टॉकों में 4% की गिरावट आई है। क्षति की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की भंडार सूची-उत्पादन की प्रवृत्ति अथवा भंडार सूची-बिक्री मात्रा अनुपात पर किसी प्रकार का विशेष प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है।

### लाभप्रदता

27. पाटित आयातों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए घरेलू उद्योग द्वारा कीमतों में कटौती किए जाने से, आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता पर किसी प्रकार का प्रभाव परिलक्षित नहीं होता है। आधार वर्ष की तुलना में लाभप्रदता में उर्ध्वगामी प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है। यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग ने उत्पादन लागत का विवरण प्रस्तुत किया है परंतु उत्पादन प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न सह उत्पादों की लागतों में समायोजन को शामिल अथवा उनको प्रदर्शित नहीं किया गया है। उत्पादन लागत एवं लाभप्रदता का निर्धारण करने के लिए संगत प्रक्रिया के अनुसार, संबद्ध अवधि के दौरान सह उत्पाद के प्रभाव का आकलन किया गया है।

### नकद प्रवाह

28. एक बहु उत्पाद कंपनी होने के कारण, प्राधिकारी इस मानदंड के आधार पर निष्कर्ष निकालने का प्रस्ताव नहीं करते हैं।

### निवेश पर आय

29. यह देखा जा सकता है कि आधार वर्ष में \*\*\*% की तुलना में जांच अवधि के दौरान निवेश पर आय में \*\*\*% की वृद्धि हुई है। चूंकि घरेलू उद्योग के निवेश पर आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, इसलिए प्रस्ताव किया गया है कि इस मापदंड के आधार पर यह निष्कर्ष न निकाला जाए कि घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

### पूंजी बढ़ाने की क्षमता

30. प्राधिकारी ने इस मापदंड की जांच की है और वे यह निष्कर्ष निकालने का प्रस्ताव करते हैं कि क्षति निर्धारण की अवधि के दौरान इस मापदंड के कारण उस पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है।

### रोजगार एवं वेतन

31. घरेलू उद्योग की रोजगार संख्या में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में यह संकेत दिया गया है कि पिछले कुछ वर्षों में वेतन में वृद्धियां सामान्य बढ़ोत्तरीयों के कारण हैं और तदनुसार प्राधिकारी इस मापदंड के कारण क्षति न होने का निष्कर्ष निकालने का प्रस्ताव करते हैं।

### उत्पादकता

32. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में वृद्धि हुई है। अतः उत्पादकता में गिरावट घरेलू उद्योग को क्षति होने का कारक नहीं है।

### घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

33. इससे स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में संबद्ध देशों की कीमतों के स्तर में गिरावट आई है । तथापि कीमत कटौती का स्तर बहुत अधिक प्रतीत होता है और निर्यात कीमतों में गिरावट घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत में आई गिरावट की तुलना में काफी कम है । क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में गिरावट आई है, तथापि उसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत में और अधिक गिरावट आई है ।

### पाटन मार्जिन की मात्रा

34. संबद्ध देशों से पाटन मार्जिन की मात्रा ऋणात्मक से 65% के बीच है और इसे प्राधिकारी द्वारा बहुत अधिक माना गया है ।

### वृद्धि

35. यह नोट किया जा सकता है कि सकल बाजार ने आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 11.2% की वृद्धि दर्शाई है । जांच अवधि के दौरान घरेलू मांग में वृद्धि की तुलना में घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में अधिक वृद्धि हुई है जबकि कुल बिक्री राजस्व में भी अत्यधिक वृद्धि हुई है । आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान बाजार हिस्से के रूप में घरेलू उद्योग की वृद्धि सकारात्मक है । उसी समय संबद्ध देशों से आयातों में 75% की गिरावट आई और क्षति अवधि के दौरान फर्म की लाभप्रदता में वृद्धि की अत्यधिक प्रवृत्ति रही है ।

### प्राधिकारी द्वारा प्रकटन एवं जांच के पश्चात घरेलू उद्योग द्वारा उठाए गए मुद्दे

- 36(i) प्रकटन के पश्चात पूछताछ (घरेलू उद्योग द्वारा उल्लिखित त्रुटि) के संबंध में यह सुनिश्चित है कि केवल जांच अवधि के लिए कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री का निर्धारण किया गया है। तथापि, समग्र रूप में कीमत ह्रास एवं कीमत अवमूल्यन का निर्धारण अवधि के लिए किया गया है।
- (ii) घरेलू उद्योग के निवेदन कि घरेलू उद्योग को क्षति अथवा उसके खतरे के कारणों को देखना आवश्यक है, के संबंध में यह निष्कर्ष निकाला गया कि जांच क्षति के खतरे के आधार पर प्रारंभ नहीं की गई थी क्योंकि घरेलू उद्योग द्वारा इस संबंध में कोई दावा नहीं किया गया था और इसलिए जांच के इस चरण में क्षति के खतरे के मुद्दे का विश्लेषण करना संगत नहीं है।
- (iii) कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री के प्रयोजनार्थ जांच अवधि के लिए सभी संबद्ध देशों के संचयी पहुंच मूल्य का निर्धारण किया गया है।
- (iv) सूचीबद्ध करने के क्रम में, जहां मूल आंकड़ों का भी उल्लेख किया गया है, हुई त्रुटि के संबंध में यह नोट किया गया है कि सूचीबद्ध करने की प्रक्रिया को सही कर लिया गया है।

### घरेलू उद्योग के सह-उत्पादों के व्यवहार के संबंध में उठाए गए मुद्दे

- 37(क) जांच अवधि के दौरान 13164 मी.टन की कुल बिक्री की गई मात्रा में से 4,680 मी.टन का निर्यात किया गया था। सह उत्पादों की उत्पत्ति उत्पादन के चरण में होती है और निर्यात की गई गुणवत्ता



घरेलू बाजार में बेची गई गुणवत्ता के समान है । अतः घरेलू मात्रा एवं निर्यात बाजार से उत्पन्न सह उत्पादों के संबंध में कोई स्पष्ट रिकार्ड नहीं मिलता है । घरेलू उद्योग ने अभ्यावेदन किया है कि परिस्थितियों के तहत घरेलू एवं निर्यात मात्रा के आधार पर प्राप्ति को इन दोनों में बांटा जा सकता है । उन्होंने आगे कहा कि सह उत्पाद ऋण मात्र \*\*\*\* रु. (\*\*\*\*रु./ मी.टन होने के कारण) बनता है, अतः टी डी आई की घरेलू उत्पादन लागत से \*\*\*\*रु./मी.टन कम करने के बदले उपर्युक्त राशि घटाई जाए । उन्होंने निश्चयपूर्वक कहा कि इस समायोजन के परिणामस्वरूप जांच अवधि के लिए रिपोर्ट किए गए सकल लाभ में \*\*\*\* लाख की कमी होगी जिससे क्षति मापदंडों में कई परिवर्तन होंगे । उन्होंने आगे कहा है कि किसी असामान्यता को समाप्त करने के लिए पिछले तीन वर्षों का व्यापक आधार लेना वांछनीय था । इस संबंध में उन्होंने इस तथ्य की ओर ध्यान खींचा है कि जांच अवधि के दौरान सह-उत्पादों विशेष रूप से एच सी एल की प्राप्ति बहुत उच्च थी और पिछले तीन वर्षों में यह जांच अवधि में प्राप्ति का \*\*\* से \*\*\*\*% थी । उनके द्वारा स्पष्ट किए गए तर्क के आधार पर उन्होंने व्यापक आधार को जोड़ा है, यह समान रूप से महत्वपूर्ण है कि उत्पादन लागत में एक असामान्य रूप से बड़ी राशि की असामान्य कमी को समाप्त करने के लिए पिछले तीन वर्षों की औसत प्राप्ति पर विचार किया जाए ।

- (ख) घरेलू उद्योग द्वारा यह निवेदन किया गया है कि प्रकटन विवरण में संभवतः टी डी आई के \*\*\*\* रु./मी.टन की दर से सह उत्पाद पर विचार किया गया है जो उच्च है और इस याचिकाकर्ता के हित के

लिए हानिकारक है । घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि विशेष रूप से इस तथ्य के आलोक में कि निर्धारित पाटनरोधी शुल्क अगले पांच वर्षों के लिए प्रभावी होगा, पिछले तीन वर्षों की औसत प्राप्ति की दर पर सह-उत्पाद ऋण पर विचार किया जाए । उनके द्वारा आगे यह अनुरोध किया गया है कि सह-उत्पादों की उत्पत्ति उत्पादन के चरण में होती है और उस स्तर पर यह स्पष्ट नहीं होता कि उत्पादन घरेलू बाजार में जाएगा अथवा निर्यात बाजार में । अतः उसे घरेलू एवं निर्यात बाजार की मात्रा के आधार पर वितरित करना अनिवार्य है ।

### प्रकटन विवरण के उत्तर में घरेलू उद्योग द्वारा प्रकट किए गए विचारों की प्राधिकारी

#### द्वारा जांच

38. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों की जांच की है । सत्यापन की प्रक्रिया के दौरान यह नोट किया गया था कि संबद्ध वस्तु के विनिर्माण की प्रक्रिया में कंपनी द्वारा कई सह-उत्पादों की प्राप्ति को अन्य आय के हिस्से के रूप में दर्शाया गया है और उसे संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत से घटाया नहीं गया है । इसके अतिरिक्त, सत्यापन के पश्चात कंपनी को लागत में सह-उत्पादों के व्यवहार के संबंध में स्पष्टीकरण प्राप्त करने के लिए कंपनी को कई पत्र भेजे गए थे । कंपनी ने अपने दिनांक 4.6.2004 के पत्र के जरिए यह माना कि हाइड्रोक्लोरिक एसिड, आर्थो टॉलुइन-डाई माइन तथा एम डी आई जैसे सह-उत्पादों की प्राप्ति की मात्रा पर उनकी अत्यधिक अस्थिर बाजार परिस्थितियों के कारण ध्यान नहीं दिया गया है ।

39. किसी विशेष अवधि के लिए संबद्ध वस्तुओं की वास्तविक लागत निकालने के लिए कच्ची सामग्रियों और इसी तरह से उप-उत्पादों की वास्तविक कीमतों, जो उस अवधि के दौरान विद्यमान थी, को अपनाना आवश्यक है । यह नोट किया जाता है कि उत्पादन की वास्तविक लागत निकालने के लिए जांच अवधि और पिछले तीन वर्षों के दौरान इन उप-उत्पादों की बिक्री के ब्यौरों जैसा कि सत्यापन के समय प्राप्त किए गए थे, को संबंधित वर्षों के दौरान संबद्ध वस्तुओं की लागत में से घटाया गया था । इस संबंध में यह स्पष्ट किया जाता है कि कंपनी ने क्षति अवधि के दौरान बेचे गए उप-उत्पादों के ब्यौरों से संबंधित विभिन्न प्रकार की सूचनाएं प्रस्तुत की हैं । सत्यापन के पश्चात प्रस्तुत की गई सूचना सत्यापन के समय प्राप्त की गई सूचना से भिन्न है । प्रकटीकरण विवरण के उत्तर में घरेलू उद्योग ने सूचना का दूसरा सेट प्रस्तुत किया है जो कि पूर्व में प्रस्तुत किए गए सेटों से भिन्न है । उपर्युक्त के परिप्रेक्ष्य में प्राधिकारी ने उत्पादन लागत निकालने के लिए घरेलू उद्योग के परिसर में सत्यापन के दौरान प्राप्त की गई सूचना के अनुसार उप-उत्पाद की वसूली को अपनाया है ।

### क्षति संबंधी निष्कर्ष

40. प्राधिकारी ने यह निर्धारण करने के लिए सभी मापदंडों की जांच की है कि क्या नियम 11 और इसके अनुबंध II के अर्थ के भीतर संबद्ध वस्तुओं के आयातों से वास्तविक क्षति हुई है । संबद्ध देशों से पाटित आयातों के मात्रा संबंधी प्रभाव के संबंध में यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में क्षति अवधि के दौरान समग्र रूप से और संबद्ध रूप से अत्यधिक गिरावट आयी । क्षति निर्धारण अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा 79% की और बाजार हिस्से में 60% की भारी गिरावट आयी (वर्ष 99-00 में 62% से जांच

अवधि में 25.38%) । इसके अलावा कुल मांग में संबद्ध देशों से पाटित आयातों के हिस्से में क्षति अवधि के दौरान भारी गिरावट आयी (80% से अधिक) जबकि गैर पाटित आयातों के हिस्से में लगभग 50% की कमी हुई । तथापि, कुल मांग में घरेलू उद्योग के हिस्से में इसी अवधि के दौरान काफी सुधार हुआ जहां यह 57% से बढ़कर 84% हो गया । उपर्युक्त जांच के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि मौजूदा जांच के दौरान संबद्ध देशों से पाटित आयातों के संबंध में कोई मात्रा संबंधी प्रभाव नहीं पड़ा है । जहां तक संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं की आयात कीमत की प्रवृत्ति का संबंध है, यह देखा गया है कि इन कीमतों में विभिन्न संबद्ध देशों से 2 से 14% तक की कमी हुई है जैसा कि उपर्युक्त तालिका में दर्शाया गया है और क्षति अवधि के दौरान उनमें संचयी रूप से 3.5% की कमी आयी है । उक्त अवधि में कीमत में कोई मंदी नहीं हुई है क्योंकि इसी अवधि के दौरान पहुंच कीमत में 10% की कमी के साथ उत्पादन लागत में बिक्री कीमत में कमी (10.23%) से अधिक कमी (28%) हुई है । चूंकि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं की आयात कीमतों से घरेलू बिक्री कीमतें खास कम (1% से कम) नहीं हुई हैं, इसलिए पाटित आयातों के कारण हुई कीमत कटौती को महत्वहीन समझा गया है । जहां तक पाटित आयातों के कारण कीमत और मात्रा संबंधी प्रभाव के कारण घरेलू उद्योग पर प्रभाव का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में क्षति अवधि के दौरान काफी वृद्धि (40% से अधिक) हुई । वास्तव में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में वृद्धि भारत में संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि से काफी अधिक है । इसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्रियों में भारी वृद्धि (133%) हुई है । जहां तक संवृद्धि के मापदंडों का संबंध है, यह देखा गया है कि कारोबार, बिक्री मात्रा, मांग, क्षमता उपयोग, उत्पादन जैसे मापदंडों में सकारात्मक वृद्धि हुई है । घरेलू उद्योग, जो कि आधार वर्ष के दौरान घाटा उठा रहा था, को जांच अवधि के

दौरान काफी लाभ हुआ है जबकि लगाई गई पूंजी पर इसकी आय इसी अवधि के दौरान दोगुनी हो गई है । जहां तक क्षति संबंधी अन्य मापदंडों जैसा कि पूर्ववर्ती पैराग्राफों में बताया गया है, का संबंध है, प्राधिकारी ने उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग, बिक्रियां, रोजगार, मजदूरी, उत्पादकता, नकद लाभ, बिक्रियों के प्रतिशत के रूप में माल सूचियों और उत्पादन के प्रतिशत के रूप में मालसूचियों जैसे अधिकांश मापदंडों के संदर्भ में घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो पायी । प्राधिकारी द्वारा यह भी नोट किया जाता है कि यद्यपि जापान जहां सभी आयात गैर-पाटित पाये गए हैं, को छोड़कर संबद्ध देशों से अत्यधिक पाटन मार्जिन होना जारी है, फिर भी संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण कोई वास्तविक प्रभाव अथवा वास्तविक क्षति नहीं हुई है । इसलिए उपर्युक्त के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि जांच अवधि के दौरा घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति नहीं हुई ।

### निष्कर्ष

41. पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि

1. जापान के अलावा संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का आयात उनके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है ।
2. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति नहीं हुई है ।

42. तदनुसार प्राधिकारी संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की अनुशंसा नहीं करते हैं ।

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY****(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 18th January, 2005

**Subject : Anti-Dumping Investigations concerning import of Toluene Di-Isocyanate originating in or exported from Chinese Taipei (Taiwan), EU, Japan, Korea RP and USA—Final finding**

**Procedure**

- F. No. 14/19/2003-DGAD.—1.** (i) The Petition for anti-dumping duty of imports of Toluene Di-Isocyanate (TDI) from Chinese Taipei (Taiwan), EU, Japan, Korea RP and USA appropriately updated was received by the Authority alleging dumping of Toluene Di-Isocyanate (TDI) from Chinese Taipei (Taiwan), EU, Japan, Korea RP and USA.
- ii) Preliminary scrutiny of the application filed by the petitioner revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the petitioner. The petition was, therefore, considered as properly documented.
- iii) On the basis of sufficient evidence submitted by the petitioner the Authority decided to initiate the investigation against imports of TDI from Chinese Taipei (Taiwan), EU, Japan, Korea RP and USA on 20<sup>th</sup> October 2003. The Authority notified the Embassies of Chinese Taipei (Taiwan), EU, Japan, Korea RP and USA in New Delhi about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigation in accordance with the sub-Rule 5(5) of the Rules.
- iv) A public notice was issued dated 20<sup>th</sup> October 2003 and published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods classified under customs sub head 29291002 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 originating in or exported from Chinese Taipei (Taiwan), EU, Japan, Korea RP and USA.

- v) A copy of the public notice was issued to the known exporters (whose details were made available by petitioner) and were given them an opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the letter in accordance with the Rule 6(2):
- vi) A copy of the public notice was forwarded to the known importers (whose details were made available by petitioner) of subject goods in India and were advised to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter in accordance with the Rule 6(2).
- vii) A questionnaire was sent to elicit relevant information to the 10 known exporters and 5 importers/user, in accordance with the Rule 6(4):
- viii) The Embassies of the subject countries in New Delhi were informed about the initiation of the investigation in accordance with **Rule 6(2)** with a request to advise all concerned exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the known exporters was also sent to the Embassy of the subject countries in accordance with Rule 6(3). Response/information to the questionnaire/notification was filed by the following exporter/producer "M/s Mitsui Takeda Chemicals, Inc Japan (MTCI) only.
- ix) Response/information to the questionnaire/notification was filed by large number of Importers/users. The users stated that they used both the imported subject goods as well indigenous product produced by M/s NCPL. All the views of the importers and exporters have been analyzed in this report as considered relevant by the Authority.
- x) Additional Information regarding injury was sought from the petitioner(s), which was also furnished by the petitioner.
- xi) Non-confidential version of the evidence presented by various interested parties was kept available in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7).
- xii) Cost investigation was also conducted to work out best cost of production and cost to make and sell the subject goods in India

on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the petitioner.

- xiii) The investigation of dumping and injury covered the period from 1<sup>st</sup> April 2002 to 30<sup>th</sup> June 2003 (also called the period of investigation or POI). The examination of trends in the context of injury analysis covered the period from 1<sup>st</sup> April 1999 to the end of the POI (also called period under consideration or injury period). The import data has been examined from IBIS, Mumbai, DGCIS and data submitted by the exporters and importers. However after examining all the data including the transaction wise data from DGCIS and IBIS, Mumbai, it was considered appropriate to rely on the information submitted by the exporters, importers, and transaction wise data from the IBIS (international business information system), Mumbai as DGCIS data does not show the full volume of the imports with respect to the subject goods. In accordance with Rule 16 of The Rule supra, the essential facts/ basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received on the same are duly considered in Final Findings

Following abbreviations are used in this Disclosure:

- |  |   |
|--|---|
| 2. a) Authority                                  | Designated Authority  |
| b) Subject Countries                             | Chinese Taipei (Taiwan), EU, Japan, Korea RP and USA.                           |
| c) Subject Goods/<br>Product under consideration | Toluene Di-Isocyanate (TDI)   |
| d) Domestic Industry<br>/petitioner/applicant    | M/s Narmada Chematur Petrochemical Ltd., Bharuch, Gujarat (NCPL)                |
| e) POI   | Period of Investigation (1 <sup>st</sup> April 2002-30 <sup>th</sup> June 2003) |
| f) Exporter (cooperating)                        | M/s Mitsui Takeda Chemicals, Inc, Japan (MTCI)                                  |

The views of the all the exporters (cooperating and non-cooperating), importers and other interested parties have been taken into account and have been analyzed in the respective heads.

### PRODUCT UNDER CONSIDERATION

- (3) The product under consideration in the present petition is Toluene Di-Isocyanate. Toluene Di-Isocyanate (TDI) is an



organic chemical. It is a clear liquid and is used for production of Flexible Polyurethane Foam, which in turn is used in various applications. TDI is manufactured in various grades. Toluene Diisocyanate is an organic chemical classified under Chapter 29 of the Customs Tariff Act. The detailed custom classification of TDI is 29291020. Several interested parties have raised the issue that the product should not include any blends nor it should include any other organic compound other than TDI. No submissions have been received after the issue of the disclosure statement from any interested parties on the issue of product under consideration. The Authority after examining all the issues concludes that the product under consideration is Toluene Diisocyanate or TDI (hereinafter also referred to as subject goods).

### LIKE ARTICLE

(4) The petitioner has claimed that goods produced by it are like articles to the goods originating in or exported from subject countries. There is no significant difference in the subject goods produced by the petitioner and those exported from subject countries. Petitioner claims that the two are technically and commercially substitutable. Rule 2(d) of the Anti-dumping Rule specifies that like articles mean an article, which is identical and alike in all respects to the product under investigation or in the absence of such an article, another article having characteristics closely resembling those of the articles under examination. In order to establish that subject goods produced by the domestic industry is a Like Article to that exported from subject countries, characteristics such as technical specifications, manufacturing process, functions and uses and tariff classification have been considered by the Authority. On basis of the detailed investigation, the Authority notes that the subject goods produced by domestic industry has characteristics, which are similar to those imported from subject countries and to those sold in the market of exporting countries. In view of the above the Authority holds that TDI produced by the domestic industry and those being imported from and sold in the subject countries are like articles within the meaning of the rules.

### DOMESTIC INDUSTRY

(5) The application was filed by M/s. Narmada Chematur Petrochemicals Limited. The Authority notes that the applicant is the sole producer of the subject goods in the Country and, therefore, accounts for total Indian Production. The applicant fulfills the criteria of domestic industry in terms of rule 2b read with rule 2d

and has the required standing in terms of rule 5(3)a to file the application for Anti-Dumping Investigation.

Normal Value, Export Price and Dumping Margin

(6) Under Section 9A (1) I of the Customs Tariff Act 1975, Normal value in relation to an article means:

- The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:-
- Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- The cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6)";

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

7. The Authority sent questionnaires to all the known exporters for the purpose of determination of normal value in accordance with Section 9A(1)I. Only exporter M/s Mitsui Takeda Chemicals Inc, Japan (MTCI) have responded to the questionnaire in the form and manner required as per letter to the exporters and exporters questionnaire. MTCI has responded to the exporters' questionnaire by giving information with regard to various appendices mentioned in the exporters' questionnaire. The Authority, after the public hearing, has verified all the data submitted by the cooperating exporter with regards to the cost of production, domestic sales price and the export price including all the adjustments claimed by the exporter. The Authority has assessed the normal value for the cooperating exporter after making all the adjustments required to be made at the ex-factory

level as claimed by the exporter. The authority has assessed ex factory export price of the cooperating exporter after allowing various adjustments as claimed by the exporter while arriving at net export price at the ex factory level. The Authority has worked out a Dumping margin by making a comparison between the normal values at the ex factory level and export price at ex factory level. The comparison did not show the existence of dumping of the subject goods by the exporter during the POI. The weighted average dumping margin, expressed, as a percentage to the export price has been determined and is negative. Detailed verification report has subsequently been sent to the exporter for their comments if any.

#### Other Exporters from Japan and other subject countries

8. The Authority notes that none of the other exporters from Japan and other countries have responded to the exporters' questionnaire in the form and manner prescribed therein. The claim made by the petitioner with regard to the determination of normal value has also not been disputed by the other interested parties. Under the circumstances Normal value under the rules is determined on the basis of facts available as per rules 6 (8). Therefore normal values have been determined for the countries concerned with regards to the prices prevailing in their domestic market as evidenced by the leading journal. The export prices have been determined as per the data made available by the IBIS (transaction wise data culled out from the customs daily lists) as the DGCIS data has reported fewer imports under the given customs head. The ex-factory export price has been arrived at taking the weighted average export price during the POI after making applicable adjustments towards commission, ocean freight, etc and thereafter the dumping margin for the Non cooperating exporters has been established.

#### Dumping Margin

Country	NV (\$/MT)	EP (\$/MT)	DM		
			\$/MT	Rs/MT	%
MTCI, Japan (Coop)	****	****	(****)		(5.5)
Japan (All Others)	****	****	****		20.46%
EU	****	****	****		61.75
Taiwan	****	****	****		16.52
Korea	****	****	****		16.11

USA	****	****	****	63 42
-----	------	------	------	-------

Injury: Volume of dumped imports from subject countries, their effect on prices and consequent Impact on the domestic industry illustrating parameters as per 3.4 of the ADA – Verified data.

9.

15 injury param- eter no.	Particulars	Unit	1999-00	2000-2001	2001-2002	2002-2003 & 2003 - 2004 (15 months)	POI ANNULI SED
1	<b>Natural &amp; Potential Decline in Sales</b>						
	<b>Actual sales</b>						
	Sales (Domestic)	MT	****	****	****	****	****
	Trend	Indexed	100.00	164.57	166.13	173.91	173.91
2	<b>Profits</b>						
	Cost of Production	Rs./MT	****	****	****	****	****
	Trend	Indexed	100.00	89.39	81.98	71.76	71.76
	Net Sales Realisation	Rs./MT	****	****	****	****	****
	Trend	Indexed	100.00	116.28	91.70	89.26	89.26
	Profit/Loss	Rs./MT	****	****	****	****	****
	Trend	Indexed	-100.00	123.80	-4.97	67.01	67.01
	Total Profit/Loss	Rs. Lacs	****	****	****	****	****
	Trend	Indexed	-100.00	203.87	-8.25	145.68	145.68
3	<b>Output</b>						
	Production	MT	7812	10153.5	10770	16581	13264.8
	Trend	Indexed	100.00	129.97	137.86	169.8	169.8
4	<b>Market share</b>						
	In imports						
	Imports						
	Japan	MT					
	Korea RP	MT	150	0.00	200.00	280.00	224.00
	USA	MT	401.227	486.39	586.58	155.39	124.31
	Chinese Taipei	MT	0	0.00	50.00	58.50	46.80
	European Union	MT	2098.63	307.86	328.58	83.59	66.87
	Dumped imports from Subject Countries	MT	2649.86	794.25	1165.16	577.48	461.98
	Trend	Indexed	100.00	29.97	43.97	21.79	21.79
	Other Countries & Non Dumped imports from subject countries	MT	1593	1774.35	2346.70	1697.76	1358.21

	Trend	Indexed	100.00	111.4	147.3	106.6	85.3
	Total Imports	MT	4243.00	2568.60	3511.86	2275.24	1820.20
	Trend	Indexed	100.00	60.54	82.77	53.62	53.62
	Market share in Imports						
	Japan	%	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	Korea RP	%	3.54	0.00	5.69	12.31	12.31
	USA	%	9.46	18.94	16.70	6.83	6.83
	Chinese Taipei	%	0.00	0.00	1.42	2.57	2.57
	European Union	%	49.46	11.99	9.36	3.67	3.67
	Dumped imports from Subject Countries	%	62.45	30.92	33.18	25.38	25.38
	Trend	Indexed	100.00	49.51	53.13	40.64	40.64
	Other Countries and dumped imports from subject countries	%	37.55	69.08	66.82	74.62	74.62
	Trend	Indexed	100.00	124.01	119.96	11.18	11.18
	In Demand						
	Demand						
	Sales of NCPL	MT	****	****	****	****	****
	Imports	MT	4243.00	2568.60	3511.86	2275.24	1820.20
	Demand	MT	9924.00	11917.60	12949.86	14625.24	11700.20
	Trend	Indexed	100.00	120.09	130.49	112.48	112.48
	Share in Demand						
	Domestic industry	%	57.25	78.45	72.88	84.44	84.44
	Trend	Indexed	100.00	137.04	127.31	154.61	154.61
	Dumped imports from Subject Countries	%	26.70	6.66	9.00	3.95	3.95
	Trend	Indexed	100.00	24.96	33.70	46.70	46.70
	Other Countries and un dumped imports from subject countries	%	23.82	14.89	18.12	11.61	11.61
	Trend	Indexed	100.00	62.51	76.09	3.26	3.26
5	Productivity						
	Productivity per Employees						
	Employees	Nos.	****	****	****	****	****
	Trend	Indexed	100.00	99.13	96.94	97.82	97.82
	Productivity per Employee	MT	****	****	****	****	****
	Trend	Indexed	100.00	131.12	142.21	173.59	173.59
	Productivity per day*	Day/MT	****	****	****	****	****
	Trend	Indexed	100.00	129.97	137.86	169.80	169.80
	* Considering 360 days of production in a year						
6	Return on Investment						
	NFA	Rs. Lacs	****	****	****	****	****
	Working Capital	Rs. Lacs	****	****	****	****	****
	Capital Employed	Rs.	****	****	****	****	****

		Lacs						
	<b>Trend</b>	<b>Indexed</b>	<b>100.00</b>	<b>94.92</b>	<b>89.80</b>	<b>88.82</b>	<b>88.82</b>	<b>88.82</b>
	<b>Return on capital employed</b>	<b>%</b>	<b>****</b>	<b>****</b>	<b>****</b>	<b>****</b>	<b>****</b>	<b>****</b>
	<b>Trend</b>	<b>Indexed</b>	<b>100.00</b>	<b>284</b>	<b>112</b>	<b>189</b>	<b>189</b>	<b>189</b>
<b>7</b>	<b>Utilization of Capacity</b>							
	<b>Capacity</b>	<b>MT</b>	<b>10000</b>	<b>10000</b>	<b>10000</b>	<b>10000</b>	<b>10,000</b>	<b>10,000</b>
	<b>Trend</b>	<b>Indexed</b>	<b>100.00</b>	<b>100.00</b>	<b>100.00</b>	<b>100.00</b>	<b>100.00</b>	<b>100.00</b>
	<b>Capacity Utilization</b>	<b>%</b>	<b>78.12</b>	<b>101.54</b>	<b>107.70</b>	<b>132.65</b>	<b>133</b>	<b>133</b>
	<b>Trend</b>	<b>Indexed</b>	<b>100.00</b>	<b>129.97</b>	<b>137.86</b>	<b>169.80</b>	<b>169.80</b>	<b>169.80</b>
<b>8</b>	<b>Factors affecting domestic prices</b>							
	<b>Export Price</b>							
	<b>Japan</b>	<b>Rs./MT</b>	<b>83,700</b>	<b>100,730</b>	<b>79,720</b>	<b>77,200</b>	<b>77,200</b>	<b>77,200</b>
	<b>Korea Rp</b>	<b>Rs./MT</b>	<b>92,230.00</b>		<b>91,080</b>	<b>79,000</b>	<b>79,000</b>	<b>79,000</b>
	<b>USA</b>	<b>Rs./MT</b>	<b>82,270.00</b>	<b>101,010</b>	<b>84,270</b>	<b>80,590</b>	<b>80,590</b>	<b>80,590</b>
	<b>Chinese Taipei</b>	<b>Rs./MT</b>			<b>71,170</b>	<b>82,070</b>	<b>82,070</b>	<b>82,070</b>
	<b>European Union</b>	<b>Rs./MT</b>	<b>80,810.00</b>	<b>100,410</b>	<b>78,930</b>	<b>73,430</b>	<b>73,430</b>	<b>73,430</b>
	<b>Landed Value</b>							
	<b>Japan</b>	<b>Rs./MT</b>	<b>118,352</b>	<b>137,345</b>	<b>108,698</b>	<b>99,414</b>	<b>99,414</b>	<b>99,414</b>
	<b>Korea Rp</b>	<b>Rs./MT</b>	<b>130,413</b>	<b>#VALUE!</b>	<b>124,188</b>	<b>101,732</b>	<b>101,732</b>	<b>101,732</b>
	<b>USA</b>	<b>Rs./MT</b>	<b>116,330</b>	<b>137,727</b>	<b>114,902</b>	<b>103,780</b>	<b>103,780</b>	<b>103,780</b>
	<b>Chinese Taipei</b>	<b>Rs./MT</b>	<b>Not available</b>	<b>Not available</b>	<b>Not available</b>	<b>105,686</b>	<b>105,686</b>	<b>105,686</b>
	<b>European Union</b>	<b>Rs./MT</b>	<b>114,265</b>	<b>136,909</b>	<b>107,621</b>	<b>94,559</b>	<b>94,559</b>	<b>94,559</b>
	<b>Selling Price of domestic industry</b>	<b>Rs./MT</b>	<b>****</b>	<b>****</b>	<b>****</b>	<b>****</b>	<b>****</b>	<b>****</b>
	<b>Index</b>		<b>100</b>	<b>116.3</b>	<b>91.7</b>	<b>89.26</b>	<b>89.26</b>	<b>89.26</b>
	<b>Price undercutting%</b>							
	<b>Korea RP</b>						<b>0-3%</b>	<b>0-3%</b>
	<b>USA</b>						<b>0-3%</b>	<b>0-3%</b>
	<b>Chinese Taipei</b>						<b>2-5%</b>	<b>2-5%</b>
	<b>European Union</b>						<b>(7-10%)</b>	<b>(7-10%)</b>

	Cumulative Price suppression and depression						<1%
	Cost of production		****	****	****	****	****
			100	89.39	81.98	71.76	71.76
	Landed Value	Rs./MT					
	Japan	Rs./MT	118,352	137,345	108,698	99,414	99,414
	Korea Rp	Rs./MT	130,413	Not Available	124,188	101,732	101,732
	USA	Rs./MT	116,330	137,727	114,902	103,780	103,780
	Chinese Taipei	Rs./MT	Not available	Not available	Not available	105,686	105,686
	European Union	Rs./MT	114,265	136,909	107,621	94,559	94,559

9	Magnitude of Margin of Dumping		Mentioned in the earlier paragraphs				
10	Actual and potential negative effect on cash flow						
	Cash Losses						
	Depreciation	Rs. Lacs	****	****	****	****	****
	Profit/Loss	Rs. Lacs	****	****	****	****	****
	Cash Profit	Rs. Lacs	****	****	****	****	****
	Trend	Indexed	100.00	555.49	270.59	317.33	317.33
11	Inventories						
	Closing Stocks	MT	****	****	****	****	****
	Trend	Indexed	100.00	48.47	125.60	96.73	96.73
12	Employment						
	Employees	Nos.	****	****	****	****	****
	Trend	Indexed	100.00	99.13	96.94	97.82	97.82
13	Wages						
	Wages paid to employees	Rs. Lacs	****	****	****	****	****
	Trend	Indexed	100.00	108.04	154.05	152.87	152.87
14	Growth (from base)						
	Growth in Turnover	%		29.97	37.86	112.25	112.25
	Growth in Sales Volume	%		64.57	66.13	117.39	73.91
	Growth in Demand	%		20.00	30.00	12.48	12.48
15	EXPORTS						
	Export sales	MT	****	****	****	****	****



	<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100.00	211.08	27.03	632.43	632.43
	Net Sales Realisation	Rs./MT	****	****	****	****	****
	<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100.00	111.65	73.52	83.95	83.95

### Views of the various interested parties and Analysis by the Authority

#### a) Domestic consumption/demand

10. The domestic consumption/demand is based on the sales of the Domestic Industry, imports from the subject countries and imports from other countries into India. On this basis, the domestic demand or consumption of the subject goods in the domestic market increased from 9924.00 MT in 1999 - 2000 to 11700 MT in the period of investigation representing an increase of 11.18%.

#### Cumulative Assessment of the effects of imports concerned

11. The Authority examined whether imports of subject goods originating in subject countries should be assessed cumulatively as per Article 3.3 of the Agreement on Anti-Dumping and Rule 11 of the Anti Dumping Rules Under the Customs Tariff Act.

(a) The margin of dumping established in relation to the imports from each of the subject countries was above the de minimus threshold as defined in Article 5.8 of the Agreement on Anti-Dumping and Rule 14 of the Anti Dumping Rules and Volume of dumped imports from each of these countries was not negligible.

(b) The domestic product and product supplied by producers in various countries are like articles; and the imported products and domestically produced subject goods can and are being interchangeably used. Response filed by the various interested parties and correlation of the same with customer wise sales of the domestic industry makes it evident that there are a number of parties who have resorted to purchase from the domestic industry and imports from subject countries. It is further noted that subject goods supplied by various countries compete in the same market. Further, it is also noted that products supplied by various producers in subject countries are being marketed in India during the same periods through comparable sales channels and under similar commercial conditions.

12. In the light of the above, the authority has considered that the criteria set out in article 3.3 of the Agreement of Anti-Dumping and as per para iii



of the Annexure II under Rule 11 were met with respect to imports from subject countries and therefore imports from these subject countries should be cumulated for the purpose of injury determinations.

Imports originating in the subject countries.

Volume

13. The absolute volume of dumped imports of the product under consideration from subject countries into the domestic market decreased by 79% over the period under consideration. As a share in total demand, it declined by 60%. The authority further notes that the domestic consumption increased by 11.2% during the period under consideration. It is therefore concluded that there has been an increase in demand and but the volume of dumped imports has significantly decreased over the period under consideration.

Share of subject countries in total imports

14. Over the period under consideration, the share of the dumped imports from the subject countries in the total imports decreased by 79% percentage points. The market share held by the dumped imports in the total imports decreased from 62% to 25% during the POI. It is therefore noted that the share of dumped imports has declined significantly in the share of the total imports.

15. On the basis of above examination, it is concluded that there has been a significant decline in the market share of dumped imports of the subject countries as a share of total demand and it has declined significantly during the POI as compared to previous years.

Prices

Evolution of Price over the period under consideration

16. Between 1999-00 and the POI, the average CIF prices of the imports originated in subject countries decreased by less than 4 percentage points during the period under consideration or injury period.

206 GI/05-6

Price Undercutting (PUC).

17. A comparison for comparable types of the product concerned was made between the exporting producers and the domestic industries average selling price in the domestic market, net of all rebates and taxes to unrelated customers, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at the ex factory level. The CIF import prices of the subject countries concerned were adjusted for post importation basic customs duties. This comparison showed that during the period of investigation, the subject goods originating in the subject countries were sold in the domestic market at prices which very marginally undercut the domestic industry's prices when expressed as a percentage of the domestic selling prices of the domestic industry. In fact, the margin of price undercutting was insignificant. (Less than 1 per cent).

(f) Price Underselling (PUS)

18. The Authority has also examined the claim of the petitioner that the domestic industry is suffering on account of the decline in the profitability from the sale of subject goods. The Authority notes that price underselling is an important indicator to make an assessment of the injury. The Authority has worked out the Non-injurious price for the product under consideration and compared the same with the landed value to arrive at the extent of price underselling. The analysis shows an incidence of price underselling to the domestic industry. However, this incidence of price underselling has been determined when the volume of dumped imports are less than 4% of the total demand.

Price Depression and Price Suppression

19. As noted in the preceding paragraph, selling prices of the domestic industry have declined by little more than 10% during the Injury Period i.e. 1999-00 to POI. However, the selling prices appears to have declined due to the significant reduction in the cost of production of the subject goods of the domestic industry while the import prices of dumped subject goods from subject countries have shown a marginal decline.

20. However, there is no price suppression in this case as cost of production (COP) has declined by 28% during the same period with Net

selling price (NSR) declining a little more than 10% and landed value declining by a range of 10% during the same period.

### Situation of the Domestic Industry

#### Preliminary remarks

21. As per paragraph (iv) of Annexure II to the Anti-dumping Rules, the examination of the dumped imports on the Domestic Industry concerned shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity, factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping, actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. Various interested parties have submitted the arguments that there is no material injury to the domestic industry during the period of investigation (POI). The interested parties comprising of exporters and importers have argued that most of the injury parameters as enshrined in the 3.4 of the antidumping agreement do not reflect any injury to the domestic industry. However, the domestic industry has maintained that they have suffered injury on account of various factors. It has been submitted by the domestic industry that the trends of the analysis for the injury purpose should be taken taking the base year 2000-01 and not the 99-00. However, the Authority notes that price undercutting and price underselling for the purpose of injury analysis is done for the POI only and only the trends pertaining to various other indices of injury as specified in the 3.4 of the ADA has been done with the base year 99-00. It is further noted by the Authority that the domestic industry has achieved a capacity utilisation of 78% during the second year of its commencement of operation and therefore injury analysis would not get affected by taking 99-00 as base year. Further, the base year has been chosen having in mind the extended period of injury trend analysis as per the practice of the directorate. It is further noted that one of the aims of the trend analysis is to remove any bias towards exceptionally good or bad year thereby removing the distortions in the long term trend. After the disclosure statement, the domestic industry has extended the similar arguments for keeping the base year as 2000-01. After examining the submissions made by the domestic industry, it is considered appropriate to confirm the Authority's observation and analysis as reported in the disclosure statement. With regards to the submissions by the domestic

industry about few errors in reporting the indexed figures and errors in determination of cost of production (and its treatment of by-products), profits, net sales realisation, ROC and interpretations concerning these parameters, it is noted that during the meeting with the authorised representative of the domestic industry held on 5<sup>th</sup> of January 2005, all the issues concerning the injury along with the few errors of reporting the indexation have been clarified to the domestic industry. Further, in this final finding, all the issues raised in the response to the disclosure statement have been fully addressed.

#### Production, Capacity and Capacity Utilization

22. It can be seen from the above table that the production of the Domestic Industry increased by more than 50% from the base year to POI. There has been no increase in the production capacity of the Domestic Industry during the period under consideration. Further, it may also be noted that the capacity utilization of the Domestic Industry has significantly increased during POI. In fact, the capacity utilization during the POI was 133%.

#### Sales Volumes

23. It may be seen from the above table that there has been a significant increase in the sales volume of the domestic industry in the period of investigation as compared to the base year. It may be seen that the total demand/consumption has increased by 11.2% during the injury period whereas petitioner's sales volume increased by 73% during the same period. Thus, the sales volume of the domestic industry has increased much more than the increase in the demand of the subject goods in India.

#### Sales Prices

24. It may be seen from the table that the selling prices of the domestic industry have consistently been declining. However, the decline in the sales price has been much less than the decline in the cost of the production of the domestic industry. In view of the fact that there has been little decline in the sale price during the injury determination period, it is concluded that the domestic industry did not get injured significantly on account of this parameter.

#### Market share

25. The table below shows that the market share of petitioner has increased from 57% to 84.4% during the period of injury. Over the same period, market share of the dumped imports has declined by 54%. It may also be noted that the total market in India has grown by 11.2% during the period of injury.

#### Stocks

26. It may be seen that the stocks of the Domestic Industry has declined by 4% during the injury determination period. There has not been any significant adverse effect on the trend of inventory-production or inventory-sales volume ratio of the domestic industry during the injury period.

#### Profitability

27. The reduction in prices by the Domestic Industry to compete with the dumped imports did not appear to have affected the profitability of the Domestic Industry during the POI as compared to the base year. The profitability as compared to the base year has shown a significant uptrend. It is noted that the domestic industry had submitted details of the cost of production but had not included or shown adjustments in the cost for the by products generated in the production process. As per consistence practice, the impact of by product realization during the period concerned has been made to arrive at the COP and profitability.

#### Cash Flow

28. Being a multi-product company, the Authority does not propose to conclude its findings on this parameter.

#### Return on Investments

29. It may be seen that the return on investment has increased from \*\*\*\*% during the base year to \*\*\*\*% in the POI. As there has been significant rise in the ROI of the domestic industry, no adverse impact on the domestic industry is proposed to be concluded on account of this parameter.

#### Ability to Raise Capital

30. The Authority has examined this parameter and proposes to conclude that it is not adversely affected by this parameter during the injury determination period.

#### Employment and Wages

31. There has been a little change in the employment numbers of the domestic industry. It has been indicated in the Annual report of the Company that increases in the wages over the years is on account of normal increments and accordingly the Authority does not propose to conclude injury on account of this parameter.

#### Productivity

32. It is seen that the productivity of the Domestic Industry has increased. Hence, decline in productivity is not a factor causing injury to the domestic industry.

#### Factors affecting domestic prices

33. It clearly shows that the prices from the subject countries have decreased from their levels in base year to POI. However, the level of price undercutting appears to be very insignificant and decline in the export prices has been much less than decline in the COP of the domestic industry. There has been a decline in the selling prices of the domestic industry during the injury period, however, there has been greater decline in the COP during the same period to the domestic industry.

#### Magnitude of Margin of Dumping:

34. The margin of dumping ranges between negative to 65% from the subject countries and is considered significant by the Authority.

#### Growth

35. It may be noted that the overall market has shown 11.2% growth during the period of investigation as compared to the base year. The sales volume of the domestic industry has increased much more than the rise in the domestic demand during the period of investigation while the total sales revenue has also increased significantly. The growth of the domestic industry is positive in terms of market share during the period of investigation as

compared to base year. At the same time the imports from the subject countries declined by 75% and there has been a significant uptrend in the profitability of the firm during the injury period.

Issues raised by the domestic industry after the disclosure and examination by the Authority:

36. (i) With regard to the query (termed error by domestic industry) after the disclosure, it is confirmed that the price undercutting and price underselling has been determined only for the POI. However, the price depression and price suppression has been determined for the injury period, as a whole.

(ii) As regard the submissions of domestic industry that it is mandatory to look into causes of threats of material injury to the domestic industry, it is concluded that the investigation was not initiated on the basis of threat as there were no claims from the domestic industry in this regard and hence, it is not relevant to analyze the threat issue at this stage in this investigation.

(iii) Cumulated landed value from all subject countries have been determined for the POI for the purpose of price undercutting and price underselling.

(iv) With regard to errors in indexing where the original data has also been mentioned, it is noted that indexation has been corrected.

Issues raised on treatment of by products Domestic Industry:-

37. a During the POI, out of total quantity of 13164 MT sold, 4,680 MT were exported. The bye-products are generated at production stage and quality exported is same as quality sold in Domestic Market. Hence, there is no clear-cut record on by product generated from Domestic quantity and from Export quantity. The domestic industry has represented that under the circumstances the realization may be distributed between the Domestic and Export on the basis of respective quantity. They have further added that bye product credit amounting to only Rs.\*\*\*\*/- (being Rs.\*\*\*\*/MT) be reduced from the cost of production of TDI-Domestic rather than Rs.\*\*\*\*/MT-. They maintained that as a result of this adjustment, the over all profit reported for POI will go down by Rs. \*\*\*\* lacs leading to several changes the Injury Parameters. They have added that broad basing of previous three years was desirable to remove the effect of any abnormality. In this connection, they have drawn the attention to the fact that realization of by Products especially HCL was very high during POI and in

previous three years, the same was \*\*\*\* to \*\*\*\*% of realization in POI. Based on the logic explained to them, they have added for broad basing, it is equally important to take an average realization of last three years to remove the abnormal reduction in cost of production by an abnormally hefty figure.

b. It has been submitted by the domestic industry that disclosure statement presumably considers by-product realization at Rs.\*\*\*\*/MT of TDI, which is on higher side and detrimental to the interest of this Petitioner. The domestic industry has submitted that the bye-product credit may be considered at an average realization for last three years especially in light of the fact that anti dumping duty determined will be effective for next five years. It has been further submitted by them that the bye product is generated at production stage and that level it is not clear whether the production will go to domestic market or export market. Hence, it is imperative to distribute the same on the basis of quantity for domestic and export Market.

**Examination by the Authority of views expressed by the Domestic Industry in response to the Disclosure Statement**

38. The Authority has examined all the issues raised by the domestic industry. It was noted during the course of verification that the company in the process of manufacture of the subject goods also produces number of by products. By product realisation is shown as part of other income and not deducted from the cost of production of the subject goods. Further, a number of letters were sent to the company after verification to get clarification about the treatment of by products in the cost. The company vide its letter dated 4-6-2004 admitted that the amount of realisation of the by-product like Hydrochloric Acid, Ortho Toluene – Dia Mine and MDI have been ignored on account of its highly volatile market condition.

39. In order to arrive at the actual cost of the subject goods for a particular period it is necessary to adopt the actual rates of raw materials and similarly by products as prevailed during that period. It is noted that details of the sale of these by products during the POI and the last three years as obtained at the time of verification had been deducted from the cost of the subject goods during respective years to arrive at the actual cost of production. In this regard it is clarified that the company has furnished different sets of information with regard to the details of by products sold during injury period. Information submitted subsequent to the verification is different from the one obtained at the time of verification. In



response to the disclosure statement the domestic industry has submitted another set of information which is different from the earlier submissions. In view of the above the Authority has adopted the by product realization as per the information obtained during verification at the premises of the Domestic Industry to arrive at the cost of production.

#### Conclusion on Injury

40. The Authority has examined all the parameters to determine whether imports of subject goods have caused material injury within the meaning of rule 11 and its annexure II. With regard to volume effect of dumped imports from the subject countries, it is noted that the volume of dumped imports from subject countries declined significantly over the injury period in absolute as well as related terms. During the injury determination period, dumped imports from the subject countries declined significantly in volume by 79% and in market share by 60% (from 62% in 99-00 to 25.38% in the POI). Further, the share of dumped imports from subject countries in the total demand declined significantly during the injury period (more than 80%) while the share of non-dumped imports declined by approximately 50%. However, the share of domestic industry in the total demand improved significantly during the same period where it went up from 57% to 84%. On the basis of above examination, it is concluded that there is no volume effect with regard to dumped imports from subject countries during the present investigation. With regard to trend of import price of the subject goods from subject countries, it has been seen that these prices have declined by (2 to 14% from various subject countries as shown in the table above and cumulatively they have declined by 3.5% during the injury period. There is no price suppression during the same period as the cost of production has declined (28%) more than the decline in sales price (10.23%) with landed price declining by 10% during the same period. As the import prices of dumped subject goods from subject countries not undercut the domestic selling prices significantly (less than 1%), the price undercutting on account of dumped imports is considered as insignificant. With regard to the impact on the domestic industry because of price and volume effects on account of dumped imports, it is noted that the market share of the domestic industry increased significantly (more than 40%) during the injury period. In fact, the growth in the market share of domestic industry is significantly much higher than growth in the demand of the subject goods in India. The domestic industry's sales have increased significantly during the same period and its capacity utilization has increased significantly (133%). With

regard to growth parameters, it is seen that there has been a positive growth in the parameters like turnover, sales volume, demand, capacity utilization, production. The domestic industry which was incurring loss during the base year has reported a significant profit during the period of investigation while its return on capital employed has doubled during the same period. With regard to other parameters of injury as enumerated in the earlier paragraphs, the authority did not find injury to the domestic industry with reference to most of the parameters such as production, capacity, capacity utilization, sales, employment, wages, productivity, cash profits, inventories as a percentage of sales, and inventories as a percentage of production. It is also noted by the Authority that while the margin of dumping continues to be significant from the subject countries with the exception of Japan, where all the imports have been found to be un-dumped, there has not been any material impact or material injury on account of dumped imports from subject countries. Therefore, on the basis of the above, it is concluded that the domestic industry did not suffer material injury during the period of investigation.

Conclusions:

41. The Authority after considering the foregoing, concludes that

1. The subject goods have been imported from the subject countries except Japan below their normal value.
2. The domestic industry has not suffered material injury.

42. Accordingly, the Authority does not recommend imposition of anti dumping duties on imports of subject goods from subject countries.

Dr. CHRISTY FERNANDEZ, Designated Authority